ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-01-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-01-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-01-23	2021-01-24	2021-01-25	2021-01-26	2021-01-27
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	25.0	24.0	25.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	8.0	7.0	6.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	67	59	55	61	63
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	19	18	20	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13.0	11.0	12.0	10.0	11.0
पवन दिशा (डिग्री)	250	50	50	160	20
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में आसमान साफ रहने के साथ वर्षा नहीं होने की सम्भावना ।

सामान्य सलाहकार:

खेत मे चूहा नियंत्रण के लिए एक भाग जिंक फास्फाइड को 47 भाग आटा और दो भाग मूंगफली के तेल में मिलाकर विषैला चुग्गा बनाकर बिलों के पास रखें।

लघु संदेश सलाहकार:

मैथी की फसल में तुलासिता रोग का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर में मिलाकर छिडकाव करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	चने में फली बनने की अवस्था पर फली छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु इण्डोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 1 मिलीलीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
लहसुन	लहसुन की फसल में तुलासिता रोग (डाउनी मिल्ड्यू) का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु फसल पर जाईनेब या मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए नर्सरी तैयार करें। पूसा-120, अर्का विकास, सोनाली, पूसा हाइब्रिड-1 व पंत बहार उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। 400-500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए उपयुक्त है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
चौलाई	राजगीरा/रामदाना (चैलाई) की फसल में 15-20 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारु एवं नवजात पशुओं को शीत लहर से बचाने के समुचित प्रबन्ध करें। रात्रि में पशु घर के द्वार पर टाटी या जूट की बोरी लगा कर रखें तथा दुधारु एवं नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे।